RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without
prepayment No.-WPP-255/31.12.2018

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना

समाचार

श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

Editor - Prafulla Parakh

वर्ष 3 अंक 2 | मूल्य - रू.1/- | फ़रवरी 2018 | पृष्ठ - 8

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से.....2
मंथन: 'बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ'....3
स्मार्ट गर्ल कार्यशालाए.....4
बीजेएस गतिविधियाँ एवं समाचार ..5-6
अल्पसंख्यक सूचनाएँ,
गतिविधियाँ एवं समाचार 7
आगामी परिचय सम्मेलन 8

'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'

प्रिय आत्मजन,

गत माह सम्पूर्ण देश अनेक सामाजिक/धार्मिक एवं राष्ट्रीय पर्वों के रंगों से रंग सा गया. सूर्य के धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश का मांगलिक पर्व 'मकर संक्रांति' लगभग सम्पूर्ण देश ने 14 जनवरी को मनाया. हिन्दू वर्ष का प्रारम्भ भी मकर संक्रांति से होता है. उत्तर भारत के अनेक राज्यों में लहुड़ी, मध्य भारत में संक्राति, गुजरात में उतरायण व तामिलनाडू में पोंगल के नाम से यह पर्व मनाया गया. फूलों की बहार, सोने जैसे चमकते सरसों के खेत, नव पल्लवित जौ और गेहूँ की बालियाँ, यौवनी दहलीज़ पर शीतल मंद बयारों से लहराते हरे-भरे खेत, मोर से लदे आम्र वृक्ष, मंडराती रंग-बिरंगी तितलियाँ और मादक वातावरण में शरद ऋतु की विदाई के साथ बसंत ऋतु के स्वागत का पर्व बसंत पंचमी, माघ मास के शुक्ल पक्ष में 22 जनवरी को अत्यंत ही उत्साह एवं उमंग से उत्सवित किया गया. हम सभी को उन्मादित और युवा दिलों को रोमांचित करती 'बसंत पंचमी' का महत्व भारतीय संस्कृति में पश्चिम के 'वेलेंटाईन डे' से कहीं अधिक है.

विशिष्ट समारोहों के आयोजन से 26 जनवरी को 69वां गणतन्त्र दिवस देश भर में अत्यंत ही गौरव के साथ उत्सवित किया गया. स्वतंत्रता के पश्चात् पहली बार 10 आसियान देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने गणतन्त्र दिवस पर भारत सरकार का आतिथ्य स्वीकार किया व राजधानी दिल्ली के राजपथ पर आयोजित भव्य परेड में एक साथ उपस्थित होकर भारत की सामरिक शक्ति व सांस्कृतिक धरोहरों का अवलोकन किया. बड़ी संख्या में एक ही समय में आसियान देशों के राष्ट्राध्यक्षों की उपस्थिति निश्चित ही देश व दुनिया के लिए सूचक व महत्वपूर्ण घटना है. विश्व पटल पर भारत के बढ़ते राजनीतिक वर्चस्व, अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक तथा मैत्रीयपूर्ण संबंधों के विकास के संदर्भों में इसे समझना सर्वथा उपयुक्त होगा.

हमारा दिवास्वप्न कि भारत महासत्ता के रूप में उभरे, संभवतः यथार्थ में परिवर्तित होगा, ऐसी सुखद अनुभूति लगभग हम सभी को हो रही है, किन्तु इस हेतु इतिहास के पन्नों में दृष्टिपात करने व बोधपाठ लेने की आदत हमें डालनी होगी. एक हजार वर्षों की गुलामी के पश्चात् हमें मिली स्वतंत्रता के मूल्य को ठीक से समझना होगा. भारतीय संविधान 26 जनवरी, 1950 को लागू हुआ, जिसकी वर्षगांठ प्रतिवर्ष इसी दिन मनाते हैं, जो हमें गौरवान्वित करने के साथ यह स्मरण भी कराती है कि हम विश्व के सर्वाधिक बड़े प्रजातंत्रीय देश के नागरिक हैं तथा हमें प्राप्त वाणी व अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता के अधिकारों का प्रयोग राष्ट्रीय दायित्व के रूप में इस देश को सुदृढ़ राष्ट्र बनाने हेतु करना है.

24 से 30 जनवरी को प्रधानमंत्री की विशेष पहल पर भारत सरकार के प्रोत्साहन से सम्पूर्ण देश में 'बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ' सप्ताह मनाया गया. यह हर्ष का विषय है कि "हमारी बेटी – हमारा अभिमान" को सोश्यल मीडिया व अन्य संचार माध्यमों में इस अभियान को सर्वाधिक महत्व व स्थान दिया जा रहा है. प्राचीन काल से ही देश में महिला भ्रूण हत्या सामाजिक जड़ताओं, आर्थिक व परिस्थितिजन्य आदि अनेक कारणों से होती रही है. भारत जैसे सुसंस्कृत देश के लिए निश्चित ही यह दूषण कलंक समान है. यही नहीं भारत के संविधान में दिये समानता के अधिकारों का भी परोक्ष रूप से हनन है. अब बदलते समय में व विशेषकर इस 21वीं शताब्दी में बेटियों व महिलाओं की अद् भुत नैसर्गिक क्षमताओं का परिचय हम सभी को हो रहा है किन्तु अनेक-अनेक शताब्दियों से व्याप्त इस दूषण से मुक्ति हेतु देशवासियों व देश में स्थित विभिन्न समाजों की मानसिकता में परिवर्तन लाना नितांत आवश्यक होगा, जिस हेतु सरकार व सामाजिक संस्थाओं के प्रयास आवकार्य होंगे.

भारतीय जैन संघटना प्रारम्भ से ही बेटियों व युवतियों के प्रति संवेदनशील रहा है. उनकी शिक्षा, सशक्तिकरण व योग्य पारिवारिक तथा सामाजिक स्थितियों के निर्माण हेतु लगभग गत तीन दशकों से कार्यरत है. युवतियों हेतु आवश्यक सामाजिक सशक्तिकरण के कार्यक्रम 'स्मार्ट गर्ल' को बड़े स्तर पर कार्यान्वित कर परिवारों के विघटन को रोकने तथा बेटियों को इस देश की आदर्श नागरिक बनाने हेतु प्रयासरत है. यह हर्ष का विषय है कि इस अभियान के क्रियान्वयन में देश की विभिन्न राज्य सरकारों व अनेक शैक्षणिक व सामाजिक संस्थाओं का सहयोग प्राप्त हो रहा है तथा लाखों की संख्या में प्रति वर्ष बेटियों को सक्षम बनाने हेतु भारतीय जैन संघटना कृत- संकल्पित है. यह अंक देश की सभी बेटियों को समर्पित है.

प्रफुल्ल पारख
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुंवा जैन, अहमदाबाद

सदस्य
कैलाशमल दुगड़, चैन्नई सुरेश कोठारी, अहमदाबाद सुदर्शन जैन, बड़नेरा, वीरेंद्र जैन, इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया, संजय सिंघी, रायपुर, राजेंद्र लुंकड़, इरोड़

मंथन

'बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ'

मात्र योजना नहीं – एक अनुकरणीय सामाजिक पहल

देश की जनसंख्या में लैंगिक अनुपात में भारी असमानता के कारण उत्पन्न हो रही अनेक समस्याओं के साथ बढ़ता सामाजिक असंतुलन गंभीर व चिंतनीय राष्ट्रीय मुद्दा है, जिसका समाधान खोजना हमारी प्राथमिक आवश्यकता है. वर्ष 2011 की राष्ट्रीय जनसंख्या के परिणामों से स्पष्ट है कि 0 से 6 वर्ष आयु समूह की लड़कियों की जनसंख्या में भारी गिरावट आयी है. जैन समाज में 1000 लड़कों पर 918 लड़कियों की संख्या दर्ज की गई जबकि 2001 में यह आंकड़ा 927/1000 का था. जैन समाज की स्थिति अधिक चिंतनीय है क्योंकि 0-6 आयु समूह में यह अनुपात 870/1000 का है. इतना ही नहीं जैन समाज में 1000 पुरुषों की तुलना में मात्र 954 महिलाएं हैं. अन्य जातियों एवं समाजों की तुलना में जैन समाज की यह दर अत्यंत ही निम्न है.

यह समस्या क्या पिछले कुछ दशकों में उत्पन्न हुई है या फिर प्राचीन काल से ही चली आ रही है ? इतिहास के पन्नों पर दृष्टिपात से यह स्पष्ट होता है कि राजा-राजवाड़ो व विशेषकर मुगलकाल में महिलाओं की सुरक्षा, आत्मसम्मान आदि किसी चुनौती से कम नहीं था, परिणामस्वरूप समस्या के समाधान संभवतः बाल कन्या हत्या या कन्या भ्रूण हत्या के माध्यम से खोजने के प्रयास किए जाते रहे. क्षत्रियों में इन हत्याओं का प्रमाण सर्वाधिक रहा. भिन्न-भिन्न शताब्दियों में देश की महिलाओं के प्रति सामाजिक अभिगमों में व्यापक भिन्नताएँ भी दृष्टिगोचर होती रहीं. उनके साथ शिक्षा, पालन-पोषण, खान-पान, स्वतन्त्रता तथा लैंगिक भूमिकाओं व उत्तरदायित्वों के निर्धारण आदि में लड़कों के मुक़ाबले उनके साथ भेदभाव अन्याय की सीमा तक होता रहा. इतना ही नहीं देश के सभ्य और उच्च वर्ग में भी लड़कों को परिवार की संपत्ति (Asset) तथा लड़कियों को दायित्व (Liability) माना जाता रहा. देश में व्याप्त दहेज प्रथा भी कन्या प्रजनन की घटती दर के मुख्य कारणों में रही. बाल कन्याओं के साथ परिवारजन व परिवार की महिलाओं द्वारा की जा रही हिंसा, निश्चित ही अमानवीयता की पराकाष्ठा है.

आज न तो गत शताब्दियों पूर्व की कारणभूत सामाजिक स्थितियाँ विद्यमान है और न ही पूर्वाग्रह युक्त सामाजिक जड़ता. देश की स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् शिक्षा के प्रचार-प्रसार व महिलाओं के प्रति समाज की सर्व साधारण मानसिकता में आए परिवर्तन के पश्चात् भी छोटे परिवारों के उद्भव के साथ लड़कों के प्रति मोह का अतिरेक ही वर्तमान में इस समस्या को ज्वलंत रखने का मूल कारण प्रतीत होता है. मेडिकल क्षेत्र की प्रगति व नई आधुनिक मशीनों का अविष्कार भी इसका कारण है क्योंकि गर्भ परीक्षण द्वारा लिंग की जानकारी प्राप्त कर भ्रूण हत्या का नृशंस कृत्य महावीर, गौतम और गांधी के देश में किसी भी कलंक से कम नहीं है. आज भी देश में एक तृतीयांश लड़कियों की जन्म लेते या जन्म से पूर्व ही मृत्यु हो रही है. लड़कों की अपेक्षाकृत यह संख्या 3 लाख प्रतिवर्ष से अधिक है. यह भी एक कटु किन्तु घृणित वास्तविकता है कि गत कुछ दशकों में 1 करोड़ से अधिक भ्रूण हत्याएँ हो चुकी हैं. यह सब करके, हम जाने-अनजाने में विपत्तियों को आमंत्रित कर रहे हैं क्योंकि एक अनुमान के अनुसार लैंगिक असमानता के कारण वर्ष 2020 के आते आते देश में 2.5 करोड़ अतिरिक्त युवा होंगे जिनके लिए जीवन साथी उपलब्धता असंभव होगी जो बड़े सामाजिक असंतुलन के निर्माण का कारण ही नहीं होगा अपितु अनेक सामाजिक दूषणों को जन्म देगा.

- भ्रूण हत्या – एक जघन्य अपराध
- फूल बनने से पहले ही कली को मसल डालना यानि भ्रूण हत्या
- एक माँ के द्वारा ही उसकी बेटी का कत्ल, अमानवीयता की पराकाष्ठा
- अब मैं यह जघन्य अपराध पुनः नहीं करूंगी
- 'बेटा – बेटी' एक समान
- 'हमारी बेटी – हमारा अभिमान'

भ्रूण हत्या का अर्थ है गर्भपात जो अनैतिक व नियमों के विरूद्ध किया जाता है. इतना ही नहीं यह देश के संविधान में प्रदत्त समानता के अधिकारों का हनन भी है. देश की सरकारों ने दशकों पूर्ण गर्भ लिंग परीक्षण को अवैध घोषित किया है किन्तु नियमों का असरकारक क्रियान्वयन नहीं होने से स्थितियां सुधारने के स्थान पर अधिक बिगड़ रही है. कुछ वर्ष पूर्व फिल्म अभिनेता एवं निर्माता श्री आमिर खान ने प्रसिद्ध टेलीविजन धारावाहिक 'सत्यमेव जयते' में इस विषय को उठाकर देश को जागृत करने करने का प्रयास किया जिससे कुछ राज्य सरकारों ने विशेष प्रयास भी प्रारम्भ किए.

इस समस्या के समाधान हेतु असरकारक सरकारी प्रयास के अंतर्गत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 22 जनवरी 2015 को हरियाणा के पानीपत शहर में 'बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ' योजना का शुभारंभ हुआ है जो अब राष्ट्रीय अभियान बन चुका है. अब 'हमारी बेटी – हमारा अभिमान' को सार्थकता प्रदान कर रही देश की बेटियाँ शिक्षा, खेल जगत, व्यवसाय, तकनीकी आदि क्षेत्रों में पुरुषों से आगे निकलने हेतु लालायित हैं. परिवर्तन की आधियां निश्चित ही वह दिन लाएगी जब महिलाओं के प्रति असमानता व भेदभाव समाप्त होगा.

आदरणीय श्री शांतीलालजी मुथ्था ने लगभग 3 दशकों पूर्व ही जैन समाज में बढ़ती लिंग असमानता को समझा और उत्पन्न होने वाली वैवाहिक समस्याओं के गंभीर परिणामों से समाज को आगाह किया था. भारतीय जैन संघटना की कार्यप्रणाली मात्र समस्याओं को समाज के समक्ष प्रस्तुत मात्र कर देना नहीं है अपितु समाधानकारी योजनाओं के अग्रिम निर्माण व समय से क्रियान्वयन है. वाघोली-पुणे स्थित बीजेएस के शैक्षणिक पुनर्वसन केंद्र में बड़ी संख्या में लड़कियों को वर्षों से शिक्षा प्रदान की जा रही है. बेटियों के सक्षमीकरण अभियान 'स्मार्ट गर्ल' के अंतर्गत उनके आत्मसम्मान, सुरक्षा, समुचित मानसिक विकास व परिवार के एक आदर्श पात्र की भूमिका हेतु प्रेरित करता यह कार्यक्रम सम्पूर्ण देश में व्यापक क्रियान्वयन से 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' को सार्थकता प्रदान करते हुए समाज को योग्य दिशा देगा.

Smart Girl

To be Happy
To be Strong

'स्मार्ट गर्ल' कार्यशालायें

1. 10-13 जनवरी, स्थान- बेलगावी (कर्नाटक),
प्रतिभागी- 196, प्रशिक्षिका – श्रीमती दीपा अंकले.
2. 13-14 जनवरी, स्थान- मांडवी (गुजरात),
प्रतिभागी- 87, प्रशिक्षिका – श्रीमती दीप्ती मितेश धर्मशी.
3. 12-13 जनवरी, स्थान- बेरछा-शाजापुर (मध्यप्रदेश),
प्रतिभागी- 35, प्रशिक्षक – श्री रत्नाकर महाजन.
4. 15-16 जनवरी, स्थान- शाजापुर (मध्यप्रदेश),
प्रतिभागी- 86, प्रशिक्षक – श्री पंकज कोठारी.
5. 19-20 जनवरी, स्थान- बिलीकेरे (कर्नाटक),
प्रतिभागी- 66, प्रशिक्षिका – श्रीमती धनलक्ष्मी.
6. 20-21 जनवरी, स्थान- बडौदा (गुजरात),
प्रतिभागी- 32, प्रशिक्षिका – श्रीमती अस्मिता देसाई.

बीजेएस समाचार एवं गतिविधियां

'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम पहुंचा देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय, इंदौर

1 लाख बेटियों को सक्षम करने का ध्येय

युवतियाँ 21 वीं सदी की सामाजिक चुनौतियों को कैसे समझे व उनसे कैसे निपटें ? इस उद्देश्य से स्मार्ट गर्ल कार्यक्रम बनाया गया है. पिछले कुछ वर्षों में युवतियों के आत्मसम्मान व सुरक्षा का मुद्दा व परिवारिक सम्बंधों के प्रति समझ आदि विषय में युवतियों को सशक्त बनाने की जिम्मेदारी हम सब पर है. इस विषय में

देवी अहिल्याबाई के उपकुलपति डॉ. नरेंद्र धाकड़ एवं भारतीय जैन संघटना के अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री वीरेंद्र जैन, इंदौर की गत माह हुए विचार विमर्श एवं निर्धारित किये गये कार्यक्रम के अनुसार DAVV के 80 कालेजों से आये 92 लेक्चरर-प्रोफ़ेसर को स्मार्ट गर्ल कार्यक्रम के मास्टर ट्रेनर बनाने का प्रशिक्षण राष्टीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख ने दिया.

प्रशिक्षण के समापन समारोह में डॉ. धाकड़ ने अपने उद्बोधन में विभिन्न कालेजों से मास्टर ट्रेनर बनने आये फैकल्टी को आव्हान किया कि इस कार्यक्रम को सभी कालेजों की एक-एक छात्राओं तक पहुंचाकर उन्हें 'स्मार्ट गर्ल' बनाना है.

'स्मार्ट गर्ल' ट्रेनर्स ट्रेनिंग कार्यक्रम हुए आयोजित

'स्मार्ट गर्ल' ट्रेनर्स ट्रेनिंग कार्यक्रम का 2 दिवसीय आयोजन 10-11 जनवरी को मनुआस रियल्टी, रायपुर (छत्तीसगढ़) में बीजेएस राज्य इकाई व्दारा किया गया. बीजेएस राष्ट्रीय महामंत्री एवं मास्टर ट्रेनर श्री राजेंद्र लुंकर ने उपस्थित 46 महिला-पुरुषों को 'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम का प्रशिक्षण दिया.

इसी प्रकार 'स्मार्ट गर्ल' ट्रेनर्स ट्रेनिंग कार्यक्रम का 2 दिवसीय आयोजन 27-28 जनवरी को इंदौर पब्लिक स्कूल,राऊ-इंदौर (मध्यप्रदेश) में फेडरेशन ऑफ़ जैन एज्युकेशन इंस्टिट्यूट राज्य इकाई एवं बीजेएस द्वारा किया गया. मास्टर ट्रेनर श्रीमती अमिता जैन उज्जैन ने इस दौरान 60 महिला-पुरुषों को 'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम का प्रशिक्षण दिया. FJEI राज्य इकाई अध्यक्ष श्री अचल चौधरी ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे ट्रेनर्स से आव्हान किया कि युवतियाँ 21 वीं सदी की चुनौतियों को कैसे समझे ? व उनसे कैसे निपटें ? उनमे आत्म विश्वास का उच्चतम स्तर कैसे कायम रहे इस हेतु आप सभी 'स्मार्ट गर्ल कार्यशाला' के माध्यम से युवतियों को सक्षम करने का कार्य प्राथमिकता से करें.

करियर गाइडेंस: गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल, बड़वाह (मध्यप्रदेश), प्रतिभागी- 250, मार्गदर्शक- श्री राकेश जैन'प्रखर', इंदौर

बीजेएस मध्यप्रदेश राज्य अधिवेशन सम्पन्न

जबलपुर के ज्ञान गंगा इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी में 21 जनवरी,2018 बीजेएस मध्यप्रदेश राज्य अधिवेशन सम्पन्न हुआ जिसमें संस्थापक आदरणीय श्री शांतीलालजी मुथ्था एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख, राज्याध्यक्ष डॉ. शरद दोसी सहित बीजेएस मध्यप्रदेश राज्य के पदाधिकारी एवं जैन समाज के बड़ी संख्या में गणमान्य उपस्थित रहे.

प्रेरणास्त्रोत श्री मुथ्थाजी ने कहा कि भारतीय जैन संघटना ने अपनी कार्यप्रणाली में बदलाव कर बड़ी सफलता हासिल की है. युवती सक्ष्मीकरण कार्यक्रम को जैन समुदाय से बाहर विशाल पैमाने पर पहुंचाने के लिए महाराष्ट्र में 'स्मार्ट गर्ल' के नाम से अहमदनगर जिले में 75000 बेटियों को सक्षम करने का कार्य किया गया तथा पुणे जिले में आगामी अप्रैल तक 3 लाख बेटियां सक्षम होंगी. इसी कार्यप्रणाली को मध्यप्रदेश में भी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के माध्यम से 280 कालेजों में 1 लाख बेटियों तक पहुचाने की दिशा में कार्य जारी है, आपने सलाह दी कि मध्यप्रदेश के विविध क्षेत्रों में इसे ले जाने के प्रयास किया जाना चाहिए. बीजेएस के मूल्यवर्धन शिक्षा कार्यक्रम महाराष्ट्र राज्य सहित गोवा के शासकीय विद्यालयों, कान्वेंट स्कूलों व RSS के माध्यम से दी जा रही है. मूल्यवर्धन (नैतिक) शिक्षा को लेकर भारत सरकार शीघ्र ही एक नीति लाने जा रही है. आपने आशा व्यक्त की कि मूल्यवर्धन पाठ्यक्रम समस्त देश में प्रभावी होगा जिससे अनुशासित व विनयशील युवा पीढ़ी का निर्माण संभव होगा. आपने सूचित किया कि इस वर्ष महाराष्ट्र के 2500 गांवों को सूखा मुक्त करने के अभियान हेतु 130 जेसीबी/पोकलेन मशीन क्रय कने का निर्णय बीजेएस ने लिया है तथा संभव है कि आगामी वर्षों में म.प्र.सहित अन्य राज्यों में भी इस तरह के अभियान बीजेएस द्वारा संचालित किये जाये.

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख ने अध्यक्षीय प्रवचन में अपील करते हुए कहा कि

- अल्पसंख्यकता के लाभ समाज तक पहुँचाने के उद्देश्य से सभी राज्य मायनरीटी रिसोर्स पर्सन तैयार करें जिस हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित करे.
- हर जिलें से 5-5 महानुभाव अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रोसेस का प्रशिक्षण लें ताकि समाज के विद्यार्थी आवेदन करने से वंचित न रहें.
- म.प्र की जैन शिक्षण संस्थाओं को अल्पसंख्यकता का लाभ कैसे मिले व उन्हें Minority का दर्जा दिलाने हेतु प्रयास किए जाने चाहिए. इस हेतु जिलावार जैन शिक्षण संस्थाओं की सूची तैयार करें.
- म.प्र.के छोटे शहरों में स्नातक से कम शिक्षित हेतु परिचय सम्मेलनों का आयोजन किया जाना चाहिए.
- स्मार्ट गर्ल कार्यक्रम मध्यप्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में ले जाने हेतु प्रयास करे व इस संबंध में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री वीरेन्द्र जैन इंदौर से संपर्क करें.
- बीजेएस के कार्यक्रमों की सम्पूर्ण जानकारी के लिए जिला स्तरीय लीडरशिप ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किये जाने चाहिए.

पूर्व में राज्याध्यक्ष डॉ.शरद डोसी ने विगत कार्यों के अनुभव व आगामी कार्ययोजनाओं पर प्रकाश डाला. सचिव श्री वीरेन्द्र नाहर ने कार्यकाल प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा श्री राकेश जैन इंदौर ने 'व्यवसाय विकास कार्यक्रम' की जानकारी से अवगत कराया. राज्य की पत्रिका 'मन की बात' का विमोचन किया गया. जबलपुर में राज्य अधिवेशन के सफल आयोजन हेतु श्री डी.सी.जैन, डॉ.विमल जैन एवं उनकी पूरी टीम के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया.

श्री दिलीप दोषी

श्री दिलीप दोषी, इंदौर एवं डॉ. विमल कुमार जैन घोषित हुए मध्यप्रदेश बीजेएस के आगामी राजाध्यक्ष

21 जनवरी 2018 को प्रांतीय अधिवेशन 2018 सानंद संपन्न हुआ.. प्रदेश का विस्तृत क्षेत्रफल 52 जिलों में विभक्त है. बी.जे.एस के कार्यो को अमली जामा पहनाने के लिए श्री दिलीप दोषी इंदौर को पश्चिम म.प्र. के 26 जिलों तथा डॉ विमल कुमार जैन को पूर्वी मध्यप्रदेश के 26 जिलों का आगामी कार्यकाल हेतु बी.जे.एस के इतिहास में पहली बार आगामी कार्यकाल हेतु म.प्र. के लिए दो राज्य अध्यक्ष बनाने की घोषणा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख ने जबलपुर अधिवेशन में की.

डॉ. विमल कुमार जैन

अल्पसंख्यक धार्मिक संवैधानिक अधिकारों को समझने व लाभों की संभावनाओं विषय पर कार्यशाला का आयोजन

भारतीय जैन संघटना के माईनॉरिटि नॉलेज सेंटर द्वारा अल्पसंख्यक समुदायों के धार्मिक संवैधानिक अधिकारों की विवेचना के साथ-साथ प्राप्त अधिकारों के फलस्वरूप लाभों की संभावनाओं व लाभ प्राप्त करने के तरीकों पर विशेष कार्यक्रम का निर्माण किया गया, जिसकी प्रथम प्रस्तुति जैन चैन्नई (तमिलनाडू) में 7 जनवरी, 2018 को सिवांची जैन भवन, तिरुपल्ली स्ट्रीट में आयोजित सेमिनार में हुई. तमिलनाडू जैन मंदिरों, स्थानकों तथा धर्मस्थलों के ट्रस्टियों के समक्ष अल्पसंख्यक समुदाय की धार्मिक संपत्ति की सुरक्षा संबंधी विषय पर अधिकारों की जानकारी सहित आवश्यक कार्यवाही तथा कार्ययोजना पर विस्तृत प्रकाश डाला गया.

सेमिनार का आयोजन भारतीय जैन संघटना तमिलनाडू एवं श्री तमिलनाडू जैन महामंडल, चैन्नई द्वारा किया गया व संचालन बीजेएस अल्पसंख्यक लाभ जनजागृति अभियान के राष्ट्रीय प्रभारी श्री निरंजन जुंवा, अहमदाबाद ने किया.

भारतीय जैन संघटना, बैंगलोर के आमंत्रण पर श्री पी.ए.ईनामदार ने अल्पसंख्यक अधिकारों व लाभों पर दी विस्तृत जानकारी

भारत सरकार द्वारा अल्पसंख्यक समुदायों के शैक्षणिक व अन्य क्षेत्रों में सक्षमीकरण की योजनाओं के निर्माण हेतु श्री कस्तुरी रंजन (इसरो के निवृत चेयरमेन) की अध्यक्षता मे गठित समिति की सभा में उपस्थिति हेतु पुणे के श्री पी.ए.ईनामदार बैंगलोर में थे. इस अवसर का लाभ लेते हुए बीजेएस बैंगलोर ने आपको आमंत्रित किया जिसमें जैन समुदाय के अतिरिक्त मुस्लिम व सिख समुदाय व अनेक शिक्षण संस्थाओं के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे. श्री ईनामदार सा. ने अल्पसंख्यक अधिकारों, योजनाओं, कानूनों, नियमों आदि पर विस्तृत जानकारी प्रदान की.

एक अनुकरणीय पहल

कर्नाटक सरकार द्वारा राज्य के अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों को 'अल्पसंख्यक दर्जा' प्रमाणपत्र जारी किए जा रहे हैं, जिस हेतु राज्य सरकार ने ऑनलाईन आवेदन करने की व्यवस्था बनाई है. अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र की आवश्यकता एवं महत्व की आवश्यक जानकारी के अभाव में कर्नाटक का जैन समुदाय आमतौर पर ऑनलाईन आवेदन की सुविधा का लाभ लेने से वंचित है. कर्नाटक राज्य सरकार अल्पसंख्यक समुदायों के जरूरतमंद व्यक्तियों के उत्थान एवं विकास हेतु अनेक योजनाओं का संचालन करती है, किन्तु लाभ प्राप्त करने हेतु अल्पसंख्यक दर्जा प्रमाणपत्र आवश्यक है.

बीजेएस कर्नाटक ने एक अभियान के माध्यम से कर्नाटक राज्य के 40 से अधिक नगरों/शहरों में एक दिवसीय 'ऑनलाईन आवेदन शिविर' आयोजित करने का निर्णय लिया, जिसमें समाजजन को आमंत्रित कर शिविर में ही ऑनलाईन आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी. जनवरी, 18 के अंतिम सप्ताह में इस अभियान का शुभारंभ हुआ जिसमें मैसूर, गडग एवं दावणगिरी में इन शिविरों का आयोजन हुआ व समाजजन व विशेषकर महिलाओं ने विशेष उत्साह दिखते हुए ऑनलाईन आवेदन किए.

अल्पसंख्यक धार्मिक संवैधानिक अधिकारों व लाभों पर मंदिरों, स्थानकों, भवनों, तीर्थक्षेत्रों आदि के ट्रस्टियों व प्रबंधकर्ताओं तथा समाज के प्रबुद्ध वर्ग हेतु सेमिनार का आयोजन निकट भविष्य में सभी राज्यों में किया जाएगा. जैन समाज से प्रार्थना कि इस विषय के महत्व को समझते हुए आपके राज्य में सेमिनार आयोजित करने हेतु शीघ्र संपर्क करें.

भारतीय जैन संघटना

मुख्य कार्यालय , मुथ्था चेम्बर्स-II , तीसरी मंजिल, सेनापति बापट मार्ग, पुणे 411 016 फोन- 020-66050220

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना के
आगामी परिचय सम्मेलन

इंदौर (मध्यप्रदेश)

दिनांक: 11 मार्च, 2018, रविवार

पंजीयन की अंतिम तिथि : 25 फरवरी, 2018

पंजीयन हेतु संपर्क :

फोन- 0731- 3069114 / email- bjsindore.174@gmail.com

जोधपुर (राजस्थान)

मैट्रिमोनिअल गेट टू गेदर

दिनांक: 18 मार्च, 2018, रविवार

पंजीयन की अंतिम तिथि : 15 फरवरी, 2018

पंजीयन हेतु संपर्क: **8824188899 / 8559951000**

उपरोक्त परिचय सम्मेलन में ऑनलाईन पंजीयन – http://bjsmm.bjsapps.com

To,

RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Published on 07.02.2018
Posted at Market Yard PSO, Pune On-10.02.2018

If undelivered Please Return To

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

Level IV, Muttha Towers, Loop Road, Near Don Bosco Church, Yerawada, Pune 411006
Tel. : 020 4120 0600, 4128 0011, 4128 0012
Website: www.bjsindia.org **Email :** info@bjsindia.org **Facebook :** www.facebook.com / BJSIndiacommunity **Tweeter :** BJS_India

मुद्रक तथा प्रकाशक – प्रफुल्ल पारख द्वारा भारतीय जैन संघटना के लिये प्रभात प्रिंटिंग वर्क्स, 427, गुलटेकड़ी, पुणे – 411037 से मुद्रित तथा मुथ्था टावर, लूप रोड, नियर डॉन वास्को चर्च, येरवडा, पुणे – 411006 से प्रकाशित. सम्पादक – प्रफुल्ल पारख, फ़ोन – (020) 41200600